



मध्य प्रदेश शासन

राज्य आनंद संस्थान

अध्यात्म विभाग मंत्रालय

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

(2020-21)

राज्य आनंद संस्थान, माध्यमिक शिक्षा मण्डल परिसर,
शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) – 462011, दूरभाष : + 91-755-2553434
ई-मेल: anandsansthamp@gmail.com, वेबसाईट : anandsansthamp.in

राज्य आनंद संस्थान
अध्यात्म विभाग मंत्रालय
वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन 2020-21
विषय सूची

स.क्र.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1	अध्याय - 1	
	संस्थान संबंधी सामान्य जानकारी	
	1.1. संस्थान का गठन	1
	1.2 संस्थान के उद्देश्य	1
	1.3 संस्थान की कार्यप्रणाली	1
	1.4 संस्थान का अमला	1
	1.5 संस्थान की वेबसाइट	1
2	अध्याय - 2	
	वर्ष 2020-21 के प्रमुख कार्यक्रम एवं गतिविधियां	
	2.1 कोरोना संक्रमणकाल के दौरान लोगों को मदद	2
	2.2 आनंदक	2
	2.3 अल्पविराम	3
	2.4 ऑनलाईन अल्पविराम कार्यक्रमों	3
	2.5 आनंदक सम्मेलन	4
	2.6 आनंदम	4
	2.7 आनंद उत्सव	4
	2.8 आनंद कैलेण्डर	5
	2.9 आनंद क्लब	5
	2.10 आनंद सभा	6
	2.11 आनंद शिविर	6
2.12 आनंद रिसर्च फैलोशिप	6	

स.क्र.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
	2.12.1 आनंद अनुसंधान प्रोजेक्ट	6
	2.12.2 आनंद अनुसंधान फैलोशिप	7
	2.12.3 आनंद डॉक्टरल फैलोशिप	7
	2.13 हैप्पीनेस इण्डेक्स	7
	2.14 ऑनलाईन वीडियो कोर्स	7
	2.15 आनंद ग्राम एवं आनंद बस्ती	7
	2.16 टाईम बैंक (समय विनिमय कोष)	8
	2.17 अंतर्राष्ट्रीय दिवस	8
3	अध्याय – 3	
	संस्थान में नियुक्तियां/भार मुक्त	11
4	अध्याय – 4	
	वित्तीय प्रतिवेदन 2020-21	
	प्राप्तियां	12
	व्यय	12
5	अध्याय – 5	
	परिशिष्ट	
	परिशिष्ट - 1: राज्य आनंद संस्थान की सामान्य सभा	13
	परिशिष्ट - 2 : राज्य आनंद संस्थान की कार्यपालन समिति	14
	परिशिष्ट - 3: संस्थान अमला	15

अध्याय – 1

संस्थान संबंधी सामान्य जानकारी

1.1 संस्थान का गठन

नागरिकों की खुशहाली एवं परिपूर्ण जीवन के लिए आंतरिक तथा बाह्य सकुशलता आवश्यक है। सिर्फ भौतिक प्रगति व सुविधाओं से प्रसन्न रहना संभव नहीं है। राज्य का पूर्ण विकास नागरिकों की मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक उन्नति तथा प्रसन्नता से ही संभव है। अतः नागरिकों को ऐसी विधियां तथा उपकरण उपलब्ध कराने होंगे, जो उनके लिए आनंद का कारक बनें। विकास का मापदण्ड मूल्य आधारित होने के साथ-साथ नागरिकों के आनंद ज्ञात करने वाला भी होना चाहिए। इस अवधारणा को साकार करने के लिए भौतिक प्रगति के पैमाने से आगे बढ़कर आनंद के मापकों को भी समझा जाए तथा उनको बढ़ाने के लिए सुसंगत प्रयास किए जावे। इस उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा आनंद संस्थान का गठन अगस्त 2016 में किया गया था। यह संस्थान, मध्यप्रदेश शासन के अध्यात्म विभाग अर्न्तगत संचालित है।

1.2 संस्थान के उद्देश्य

संस्थान के मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार है :-

- आनंद एवं सकुशलता को मापने के पैमानों की पहचान करना तथा उन्हें परिभाषित करना।
- राज्य में आनंद का प्रसार बढ़ाने की दिशा में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के लिये दिशा-निर्देश तय करना।
- आनंद की अवधारणा संबंधी नियोजन नीति का क्रियान्वयन।
- आनंद की अनुभूति के लिये एक्शनप्लॉन एवं गतिविधियों का निर्धारण।
- निरंतर अंतराल पर निर्धारित मापदण्डों पर राज्य के नागरिकों की मनःस्थिति का आंकलन करना।
- आनंद की स्थिति पर सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना।
- आनंद के प्रसार के माध्यमों, उनके आंकलन के मापदण्डों में सुधार के लिये लगातार अनुसंधान करना।
- आनंद के विषय पर ज्ञान संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करना।
- विभाग द्वारा सौंपे गये अन्य कार्य।

1.3 संस्थान की कार्यप्रणाली

राज्य आनंद संस्थान मध्यप्रदेश सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1973 के अधीन पंजीकृत एक स्वशासी संस्था है। संस्थान की गतिविधियों का संचालन सामान्य सभा एवं कार्यकारिणी समिति के माध्यम से किया जाता है। संस्थान की सामान्य सभा के अध्यक्ष माननीय मुख्य मंत्री जी एवं संस्थान की कार्यपालन समिति के अध्यक्ष अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, अध्यात्म विभाग है। राज्य आनंद संस्थान की सामान्य सभा का विस्तृत विवरण परिशिष्ट -1 व कार्यपालन समिति की जानकारी परिशिष्ट -2 पर दिया गया है।

1.4 संस्थान का अमला

राज्य आनंद संस्थान के कार्यों के निष्पादन हेतु 28 पद स्वीकृत है। इन 28 स्वीकृत पदों के विरुद्ध वर्तमान में 17 अधिकारी/ कर्मचारी कार्यरत है। संस्थान के अधिकारी/ कर्मचारी संरचना का विस्तृत विवरण परिशिष्ट -3 पर दिया गया है।

1.5 संस्थान की वेबसाइट www.anandsansthamp.in

राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट 8 नवंबर, 2016 को लांच की गई। इस वेबसाइट के माध्यम से संस्थान द्वारा अपने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे अल्पविराम, आनंद उत्सव, आनंदम, आनंद कैलेण्डर, आनंद क्लब, आनंद सभा, आनंद शिविर, अलोहा, वरिष्ठ नागरिक विशेष डिस्कांड कार्यक्रम, समय विनिमय कोष आदि को आमजन तक पहुंचाने तथा इसमें उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है।

राज्य आनंद संस्थान से संबंधित विभिन्न सूचनाओं/जानकारियों, इसके क्रियाकलापों एवं उपलब्धियों को देश दुनिया तक पहुंचाने के लिये भी वेबसाइट की महत्वपूर्ण भूमिका है।

-----00-----

अध्याय - 2

वर्ष 2020-21 के प्रमुख कार्यक्रम एवं गतिविधियां

वर्ष 2020-21 की शुरुआत कोरोना संक्रमण से हुई है, जिस दौरान नागरिक अपना अधिकतर समय घर में बिता रहे थे। ऐसे में लोगों के बीच तनाव, भय, निराशा, अवसाद आदि की भावनाएं बढ़ने की संभावना को देखते हुए संस्थान द्वारा लोगों के बीच आनंद का प्रसार करने तथा लोगों की चिंता, भय, अवसाद आदि को दूर कर उनके मन में आशा, विश्वास एवं सकारात्मकता बढ़ाने हेतु विभिन्न नवाचार के साथ अनेकों गतिविधियों का संचालन किया गया। साथ ही संस्थान द्वारा अपनी नियमित गतिविधियों को भी कोरोना संक्रमण काल की आवश्यकता एवं गाइड लाईन के अनुरूप ढाला गया। इस वित्तीय वर्ष में संचालित विभिन्न कार्यक्रम एवं 31 मार्च-2021 की स्थिति में प्रगति निम्न अनुसार है:-

2.1 कोरोना संक्रमणकाल के दौरान लोगों की मदद -

राज्य आनंद संस्थान ने कोरोना महामारी के विरुद्ध अपने योगदान को सुनिश्चित करने के लिए आनंदकों, जिला संपर्क व्यक्ति, आनंदम सहयोगी तथा आनंद क्लब के सदस्यों से ऑनलाइन मीटिंग एवं सोशल मीडिया के माध्यम से अनुरोध किया कि वे अपने-अपने जिले में स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर कोरोना संक्रमण के विरुद्ध उठाए जा रहे प्रशासन के प्रयासों में अपना पूर्ण सहयोग करें। संस्थान से जुड़े लोगों ने तत्काल अपने-अपने जिलों में आनंदकों के छोटे-छोटे समूह, सोशल मीडिया के माध्यम से तैयार किये एवं लोगों की सेवा में जुट गए। इन सेवा कार्यों में मुख्य रूप से लोगों को आवश्यक वस्तुएं जैसे- राशन के पैकेट, पका हुआ भोजन, दवाईयां, मास्क एवं सेनेटाइजर वितरण जैसे विभिन्न कार्य किए गए। आनंदकों द्वारा राज्य के बाहर एवं राज्य के अंदर विभिन्न स्थानों पर फंसे लोगों को अपने घर पहुंचाने में, तथा कोरोना संक्रमण के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य भी किया गया। आनंदकों द्वारा कोरोना से संक्रमित लोगों को प्रोत्साहित करने हेतु चर्चा की गई तथा संक्रमण से ठीक हुए लोगों के मोटिवेशनल वीडियो तैयार कर तथा फेसबुक पोस्ट आदि प्रसारित कर लोगों के मन से इस बीमारी के भय एवं तनाव को दूर करने का प्रयास किया गया।

2.2 आनंदक -

आनंदक और उनसे अपेक्षाएं

1. “आनंदक” से संस्थान की निम्न अपेक्षाएं हैं :-
 - वह अपने सामान्य कार्य कलापों के अतिरिक्त संस्थान की गतिविधियों को स्वप्रेरणा से तथा बिना किसी मानदेय के संचालन करने के लिये तैयार हो।
 - संस्थान द्वारा जो प्रशिक्षण दिया जावेगा उस पर समय पर उपस्थित होंगे तथा उसी प्रशिक्षण के अनुरूप कार्य करेंगे।
 - संस्थान की वेबसाइट का समय समय पर अवलोकन करते रहेंगे ताकि आनंदकों के लिये प्रसारित निर्देशों से अवगत रहें।
 - संस्थान को समय समय पर ऐसा फीड बैक देते रहेंगे जिससे उसकी गतिविधियों में निरंतर सुधार आ सके।
 - अपने कर्तव्यों तथा विचारों से दूसरों के लिये सकारात्मक उदाहरण बनेंगे। (Be the change that you want) अर्थात् दूसरों के जीवन जीने की शैली में जो परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे उस परिवर्तन को पहले अपने जीवन में अनुभव करेंगे ताकि वह स्वतः उदाहरण बन सके।
 - अन्य व्यक्तियों को भी आनंद गतिविधियों में भाग लेने के लिये प्रेरित करेंगे।
2. पंजीकरण के दौरान आनंदक संचालित कार्यक्रम जैसे आनंद उत्सव/ आनंद सभा/ आनंदम में से किसी भी कार्यक्रम में सहभागिता का विकल्प चुन सकेंगे।
3. चयनित आनंदकों को कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करने के लिये आवश्यक प्रशिक्षण दिया जावेगा। शेष आनंदक कार्यक्रम में सक्रिय भाग ले सकेंगे।

संस्थान के कार्यों में सहयोग करने वाले ऐसे स्वयंसेवी कार्यकर्ता जो निःशुल्क एवं स्वैच्छिक रूप से अपने अन्य सामान्य कार्यकलापों के अतिरिक्त राज्य आनंद संस्थान की गतिविधियों करने के लिए स्वप्रेरणा से तैयार हैं, को ‘आनंदक’ नाम से सम्बोधित किया गया है। आनंदकों से संस्थान यह अपेक्षा करता है कि वे अपने कर्तव्य तथा विचारों से दूसरों के लिए सकारात्मक उदाहरण बन सके तथा अन्य व्यक्तियों को भी आनंद संस्थान की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

यदि कोई शासकीय सेवक आनंदक के रूप में आनंद संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित होता है तो उसकी उपस्थिति को शासकीय कार्य के रूप में माना गया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा निर्देश जारी किये गये हैं।

कोई भी व्यक्ति "आनंदक" के रूप में पंजीकृत होने के लिये राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट www.anandsansthamp.in का उपयोग कर सकता है। इस वित्तीय वर्ष में लगभग पांच हजार नये आनंदक संस्थान के साथ जुड़े हैं, जिनको मिलाकर

31 मार्च-2021 तक लगभग 57000 आनंदक स्वैच्छा से स्वयंसेवक के रूप में राज्य आनंद संस्थान के साथ जुड़ चुके हैं।

2.3 अल्पविराम -

‘अल्पविराम’ आनंद संस्थान द्वारा संचालित एक ऐसी गतिविधि है जिसके माध्यम से शासकीय अधिकारियों/कर्मचारियों के जीवन में सकारात्मक सोच का विकास किया जा सकेगा। सकारात्मक सोच का लोक सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन तथा प्रदाय से सीधा संबंध है। साथ ही यह भी आवश्यक है कि प्रशासनिक अधिकारियों/कर्मचारियों का दृष्टिकोण की परिपूर्णता की मौलिक समझ पर आधारित हो।

अल्पविराम शांत समय में अंतरात्मा की आवाज को सुनने का एक अभ्यास है, जो सकारात्मक सोच विकसित करने की प्रक्रिया को दृढ़ बनाता है। अल्पविराम के माध्यम से हम स्वयं अपने जीवन से दिशा और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। शासकीय सेवक यदि स्वयं आनंदित हैं तो वह दूसरों को भी आनंदित रहने का मार्ग प्रशस्त कर सकेगा।

अल्पविराम गतिविधि के अंतर्गत संस्थान का यह प्रयास भी है कि ऐसे स्वयंसेवक (आनंदम सहयोगी) तैयार किया जाए, जो कार्यालयों में सकारात्मक जीवन शैली अपनाने की आवश्यक विधियाँ उपलब्ध करा सके। आनंदम सहयोगी अशासकीय व्यक्ति अथवा शासकीय सेवक हो सकते हैं।

संस्थान द्वारा अब तक 35 आनंदम सहयोगियों को अल्पविराम गतिविधि के संचालन हेतु चयनित कर महाराष्ट्र के पंचगनी स्थित Initiative of Change संस्था के प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। संस्थान द्वारा अल्पविराम प्रशिक्षण के लिए ‘अल्पविराम प्रशिक्षण पुस्तिका’ को तैयार किया गया। इन प्रशिक्षित आनंदम सहयोगियों द्वारा अपने अपने जिले में कलेक्टर कार्यालय एवं विभिन्न शासकीय कार्यालयों में अल्पविराम कार्यक्रम का आयोजन नियमित अंतराल में किया जाता है।

अल्पविराम की प्रक्रिया को प्रदेश व्यापी विस्तार देने हेतु राज्य आनंद संस्थान आनंदकों को सहयोगी के रूप में तैयार कर रहा है। इस हेतु नियमित अंतराल पर सहयोगी प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये जाते हैं। यह प्रशिक्षण आवासीय होता है एवं इस वर्ष कोरोना संक्रमण के कारण सहयोगी प्रशिक्षण आयोजित नहीं किये जा सकें।

संस्थान के कार्यालय भवन भोपाल के प्रशिक्षण हॉल में प्रत्येक माह के प्रथम एवं चतुर्थ शनिवार को शासकीय सेवकों/अशासकीय व्यक्तियों के लिए एक दिवसीय अल्पविराम प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इनके अलावा प्रशिक्षित आनंदम सहयोगियों, डिस्ट्रीक्ट प्रोग्राम लीडर्स के माध्यम से प्रदेश के जिला कार्यालयों में अल्पविराम परिचय सत्र का आयोजन किया जाता है। वर्ष 2019-20 तक लगभग उन्नीस सौ अल्पविराम कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें लगभग अन्ठ्यान्वे हजार प्रतिभागियों की सहभागिता रही।

संस्थान द्वारा कोरोना संक्रमण के दौरान लोगों को एकत्र कर कार्यक्रम न कर पाने की स्थिति में मई-2020 से ऑनलाईन अल्पविराम कार्यक्रमों का नवाचार शुरू किया गया, जिसका विवरण नीचे पृथक से प्रस्तुत है।

2.4 ऑनलाईन अल्पविराम कार्यक्रम-

राज्य आनंद संस्थान द्वारा कोविड-19 की महामारी को ध्यान रखते हुए अल्पविराम कार्यक्रम ऑनलाईन संचालित किया गया। इस वर्ष जिला स्तर पर 35 तथा राज्य आनंद संस्थान द्वारा 203 कुल 238 कार्यक्रम किये गये जिनमें 8421 प्रतिभागियों ने भागीदारी की। कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है :-

- i. **सम्मिलित अल्पविराम कार्यक्रम:-** राज्य आनंद संस्थान द्वारा कोरोना संक्रमणकाल के पूर्व जहां माह में दो अल्पविराम कार्यक्रम संचालित होते थे, वहीं कोरोना संक्रमण काल के दौरान माह मई-2020 से प्रत्येक माह में पांच से दस ऑनलाईन अल्पविराम कार्यक्रम, तीन से छः दिवस तक के संचालित किये जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में प्रतिदिन 1:30 घण्टे का एक सेशन होता है एवं इसमें 40 प्रतिभागी ऑनलाईन पंजीकरण से भाग लेते हैं। इस वित्तीय वर्ष में सम्मिलित अल्पविराम के 70 कार्यक्रम हुए हैं, जिनमें 2533 प्रतिभागियों की सहभागिता रही।
- ii. **युवाओं के साथ अल्पविराम:-** कोरोना संक्रमण काल के दौरान युवाओं की आवश्यकताओं को देखते हुए उनके लिए चार दिवसीय अल्पविराम कार्यक्रम प्रायोगिक तौर पर सितंबर 2020 में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रतिदिन 2 घण्टे का एक सेशन रखा गया तथा कार्यक्रम हेतु 40 सीट उपलब्ध की गई, जिसके लिये ऑनलाईन पंजीयन किया जाना था। इस वित्तीय वर्ष के तीन कार्यक्रमों में 120 युवाओं की सहभागिता रही।

- iii. **महिलाओं के साथ ऑनलाईन अल्पविराम:-** संस्थान के नियमित अल्पविराम कार्यक्रम में यद्यपि सभी लोग भाग ले सकते हैं, लेकिन महिलाओं के लिए पृथक से अल्पविराम कार्यक्रम की मांग आने पर माह जुलाई-2020 से शुरू किये गये। इस वित्तीय वर्ष में महिलाओं के लिए कुल आठ कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिनमें 229 महिलाओं की सहभागिता रही।
- iv. संस्थान द्वारा आर.डी. यूनिवर्सिटी जबलपुर एवं शासकीय कन्या सरोजनी नायडू महाविद्यालय भोपाल के अनुरोध पर छात्रों एवं फेकेल्टी के लिए अल्पविराम के कुल चार कार्यक्रम ऑनलाईन आयोजित किये गए, जिसमें 124 प्रतिभागियों की सहभागिता रही।
- v. स्वास्थ्य विभाग के अनुरोध पर विभाग के डॉक्टर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ के लिए प्रत्येक जिले में तीन दिवसीय ऑनलाईन अल्पविराम कार्यक्रम आयोजित किये गये। दिसम्बर-2020 से मार्च-2021 तक कुल 37 जिलों में ऑनलाईन अल्पविराम कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें 1282 प्रतिभागियों की सहभागिता रही।
- vi. **आनंदम सहयोगी रिट्रीट:-** संस्थान के मास्टर ट्रेनर्स एवं आनंदम सहयोगियों को प्रोत्साहित करने हेतु उनके साथ 02 से 04 दिवस के कुल 08 कार्यक्रम ऑनलाईन कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिनमें 179 लोगों की सहभागिता रही।

2.5 आनंदक सम्मेलन

अपने स्थापना काल से अभी तक राज्य आनंद संस्थान का अपने पंजीकृत आनंदकों के साथ कोई सीधा संवाद स्थापित नहीं हुआ है। यद्यपि राज्य आनंद संस्थान के अध्यक्ष/मुख्य कार्यपालन अधिकारी के संदेश व समाचार आनंदको को मेल, मोबाईल मैसेज के माध्यम से समय-समय पर प्रेषित किए जाते रहे हैं। पंजीकृत आनंदको में से कुछ जिला एवं ब्लॉक स्तर पर संस्थान के कार्यक्रमों जैसे अल्पविराम, आनंद उत्सव आदि में भागीदारी भी करते रहे हैं। किन्तु व्यवस्थित तरीके से इनके साथ संवाद, संपर्क स्थापित नहीं किया जा सका था। आनंदको के साथ सीधा संपर्क एवं संवाद के लिए एक प्रक्रिया चलाई गई एवं जिला / ब्लॉक स्तर पर आनंदक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संस्थान के पूर्व से पंजीकृत आनंदको के साथ तीन दिवसीय आनंदक परिचय सम्मेलन कार्यक्रम का जिलों में आयोजन माह अगस्त-2020 के अंतिम सप्ताह से शुरू किया गया है। परिचय कार्यक्रम में प्रत्येक दिन 2 घंटे का एक सेशन होता है। प्रत्येक कार्यक्रम में ऑनलाईन पंजीयन कर 40 प्रतिभागी भाग लेते हैं। प्रथम चरण अंतर्गत 52 जिलों के 1998 आनंदको के साथ परिचय कार्यक्रम संपन्न किए जा चुके हैं। माह मार्च-2021 से परिचय कार्यक्रम का दूसरा चरण सभी जिलों में शुरू किया गया है, जिसमें ब्लॉक स्तर के प्रतिभागियों को प्राथमिकता दी गई है। माह मार्च-2021 में 21 जिलों में एक-एक परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 683 प्रतिभागियों की सहभागिता रही। इस प्रकार कुल 73 परिचय कार्यक्रमों में 2681 प्रतिभागियों की सहभागिता रही।

2.6 आनंदम (नेकी की दीवार)

इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक उपयुक्त सार्वजनिक स्थल का चयन कर, न्यूनतम सुविधा को विकसित करते हुए एक आनंदम केन्द्र बनाया जाता है। इस केन्द्र पर आमजनो को अपने घरों में उपलब्ध आवश्यकता से अधिक उपयोगी सामान को छोड़ने तथा उस सामान की जिसे उनकी जरूरत हो, वहाँ से निःशुल्क तथा बिना किसी से पूछे ले जाने की स्वतंत्रता होती है। इस कार्यक्रम का संचालन जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं/आनंद क्लबों के सहयोग से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जरूरत मंदों को उनकी आवश्यकता का समान उपलब्ध करवाना तथा सामग्री प्रदायकर्ता को JOY OF GIVING का अनुभव कराना है।

वर्तमान में प्रदेश के 52 जिलों में कुल 171 निर्धारित स्थानों पर आनंदम केन्द्र चल रहे हैं। राज्य आनंद संस्थान द्वारा इन केन्द्रों का पर्यवेक्षण जिलों में कार्यरत जिला संपर्क व्यक्तियों (आनंदक) के माध्यम से किया जा रहा है।

2.7 आनंद उत्सव

लोक संगीत, नृत्य, गायन, भजन कीर्तन, नाटक तथा खेलकूद की गतिविधियां परिपूर्ण जीवन की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस मान्यता के आधार पर आनंद उत्सव की परिकल्पना की गई है। आनंद संस्थान द्वारा आनंद उत्सव कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक वर्ष 14 जनवरी से मनाने का निर्णय लिया गया है।

वर्ष 2017-18 में आठ हजार से अधिक, 2018-19 में दो हजार से अधिक एवं वर्ष 2019-20 में एक हजार से अधिक स्थलों पर आनंद उत्सव आयोजित किये गये हैं। कोविड-19 संक्रमण के चलते कोई भी सामूहिक कार्यक्रम, उत्सव एवं आयोजन नहीं किये जाने के दिशा निर्देश अनुसार वर्ष-2020-21 में आनंद उत्सव का आयोजन स्थगित रहा।

2.8 आनंद कैलेण्डर

संस्थान द्वारा "आनंद कैलेण्डर" तैयार किया गया है। यह कैलेण्डर जीवन में सकारात्मक सोच को विकसित करते हुये आन्तरिक प्रसन्नता एवं आनंद की अनुभूति को प्राप्त करने का रास्ता दिखाता है।

आनंद कैलेण्डर में प्रत्येक माह के लिये एक विषय निर्धारित करते हुये उस विषय से जुड़ी कुछ गतिविधियां सुझाव के तौर पर दी गई हैं। इन गतिविधियों का अभ्यास करने का तरीका कैलेण्डर में दिया गया है। प्रत्येक माह में दी गई गतिविधियों का रोज अभ्यास करना अपेक्षित है। आनंद कैलेण्डर में अप्रैल से दिसम्बर तक कृतज्ञता, खेल, अल्पविराम, मदद, सीखना, संबंध, स्वीकार्यता, लक्ष्य, जागरूकता, जैसे विषयों को लिया जाकर अंतिम तीन माहों में आनंद की उपरोक्त 9 धाराओं के संगम के लिए निरंतर अभ्यास करने हेतु अनुरोध किया गया है।

उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिये आनंद कैलेण्डर को राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट से निःशुल्क डाउनलोड करने की सुविधा भी प्रदान की गई है। साथ ही आनंद कैलेण्डर के उपयोग के दौरान उनके अनुभवों तथा टिप्पणियों को दर्ज करने की सुविधा भी संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है।



आनंद कैलेण्डर के सहज उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इसे मोबाईल पर भी उपलब्ध कराया गया है। इसके लिए राज्य आनंद संस्थान ने मोबाईल एप तैयार करके गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से डाउनलोड करने की सुविधा दी है। इस मोबाईल एप को डाउनलोड करके कोई भी आनंदक अपने लिए विशिष्ट आनंद कैलेण्डर बना सकता है और उसके द्वारा की गई गतिविधियों को उसमें दर्ज भी कर सकता है।

2.9 आनंद क्लब

परिपूर्ण एवं आनंदमयी जीवन जीने के लिए विगत कुछ दशकों में "साईंस ऑफ हैप्पीनेस" के क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई है। भारतीय संस्कृति तथा दर्शन में भी आनंदमयी जीवन जीने के अनेक उपकरण उपलब्ध हैं। बहुत से व्यक्ति निजी स्तर पर अथवा संस्थागत रूप से ऐसी गतिविधियां संचालित करते हैं, जिनसे समाज में सकारात्मकता तथा आनंद का प्रसार होता है। यह आवश्यक है कि ऐसे प्रयासों को एक संगठित रूप दिया जाए। यह भी सर्वविदित है कि भले ही प्रसन्नचित रहना हम सभी की जरूरत है, परन्तु इसके लिए क्या करना चाहिए, इसकी स्पष्ट रूप से जानकारी नहीं होती। "आनंद क्लब" के माध्यम से प्रसन्नचित रहने के कौशल को सभी वर्गों तक पहुँचाने का काम किया जा सकेगा।

"आनंद क्लब" की परिकल्पना इस विचार पर आधारित है कि समाज में स्वयंसेवकों के समूह आनंदमयी जीवन जीने का कौशल पहले खुद सीखें, उसे अपने जीवन में उतारे और फिर उसका प्रसार अपने पड़ोस में करें। अगर कोई व्यक्ति ऐसा करने का इच्छुक है तो वे आनंद क्लब गठित करने की योग्यता रखते हैं। कोई भी व्यक्ति जो आनंदक के रूप में पंजीकृत है, वह अपने साथ चार अन्य व्यक्तियों को जोड़कर क्लब का गठन कर सकता है। इस प्रकार कुल 5 इच्छुक व्यक्ति मिलकर क्लब का गठन कर सकेंगे।

राज्य आनंद संस्थान आनंद क्लब का अपनी वेबसाइट www.anandsansthamp.in पर पंजीयन कर उनके द्वारा किये गये सकारात्मक कार्यों का प्रचार-प्रसार कर रहा है, जिससे समाज में सकारात्मकता का संदेश फैले। इसी के साथ संस्थान पंजीकृत क्लब के सदस्यों को प्रशिक्षण तथा अध्ययन सामग्री आनलाईन उपलब्ध करा रहा है, जिससे वे दुनियाभर में आनंद के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों व कार्यों से परिचित होकर अपने क्लब की गतिविधियों को और बेहतर कर सकें।

संस्थान के साथ 412 आनंद क्लब पंजीकृत है। इन क्लब को प्रोत्साहित करने तथा कोरोना संक्रमण काल के समय उनके द्वारा समाज के लिए किए गए कार्यों के लिए धन्यवाद ज्ञापन करने एवं उन्हें एक सूत्र में पिरोने हेतु 50-50 आनंद क्लब के समूह बनाकर 2 घंटे के ऑनलाइन सम्मेलन अगस्त-2020 के अंतिम सप्ताह से आयोजित किए गए हैं। कुल सात कार्यक्रमों में

कुल 315 आनंद क्लब की सहभागिता रही। इन आनंद क्लब द्वारा कोरोना संक्रमण के दौरान विभिन्न प्रकार की गतिविधियों की गई, जिसका विवरण कंडिका-2.1 में दिया गया है।

2.10 आनंद सभा

स्कूलीय छात्रों को सशक्त एवं परिपूर्ण जीवन कला सिखाने तथा आंतरिक क्षमता विकसित करने के लिए आनंद सभा कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। शैक्षणिक संस्थाओं को ऐसे मॉड्यूल उपलब्ध कराये जावेंगे जिनके अनुसार विद्यार्थी ऐसी क्रियाओं में भाग लेंगे, जो उनके जीवन में संतुलन लाने में सहायक होंगे।

विद्यालयों में आनंद सभा के संचालन के लिये संस्थान द्वारा शिक्षकों हेतु एक मॉड्यूल तैयार किया गया। इस मॉड्यूल में देने का सुख, क्षमा करने की शक्ति, क्षमा मांगने की शक्ति, कृतज्ञता की शक्ति, दूसरों में अच्छाई देखना, स्वीकार्यता का महत्व, ध्यान की शक्ति, संकल्प की शक्ति, दृष्टिकोण का महत्व, चिन्ता का कोई लाभ नहीं एवं आत्मविश्वास से संबंधित 11 सत्रों को शामिल किया गया है।

आनंद सभा के अंतर्गत कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों को उपरोक्तानुसार चयनित 11 विषयों पर अलग-अलग गतिविधियों, खेल एवं कहानियों के माध्यम से आनंद सभा का संचालन किया जावेगा।

इच्छुक शिक्षक इस कार्यक्रम के संचालन हेतु संस्थान की वेबसाइट पर ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। संस्थान द्वारा वर्ष के दौरान कुल पांच कार्यक्रम शिक्षकों हेतु आयोजित किये गये, जिसमें 190 शिक्षकों की सहभागिता रही। इसी प्रकार डाइट कटनी में प्रथम वर्ष के 44 अध्यापकों के साथ छः दिवसीय आनंद सभा का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

2.11 आनंद शिविर

शासकीय एवं अशासकीय आनंदकों को परिपूर्ण जीवन जीने की विधा सिखाने तथा उनमें सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए राज्य आनंद संस्थान द्वारा ‘‘आनंद शिविर’’ आयोजित किये जा रहे हैं। राज्य आनंद संस्थान द्वारा वर्तमान में तीन संस्थानों- 1. आर्ट ऑफ लिविंग, बैंगलुरु 2. एनिशिएटिव ऑफ चेंज, पुणे तथा 3. ईशा फाउण्डेशन, कोयम्बटूर से इस हेतु एमओयू किया गया है।

उक्त संस्थाओं में आयोजित प्रशिक्षण में शासकीय सेवकों के प्रशिक्षण शुल्क तथा टी.ए. की प्रतिपूर्ति संबंधित विभाग द्वारा की जावेगी। इन शिविरों में भाग लेने वाले शासकीय सेवकों द्वारा संस्थान की वेबसाइट पर रुपये 500/- शुल्क जमा कर पंजीयन किया जाता है।

शासकीय सेवक से संबंधित पति अथवा पत्नी जो शासकीय सेवा में नहीं है, उनके शिविर में भाग लेने पर उनका पंजीयन तथा प्रशिक्षण शुल्क राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट पर सीधे राज्य आनंद संस्थान के कोष में जमा कराया जाता है। इसी प्रकार निगम/मंडल/बोर्ड आदि के कर्मचारियों द्वारा स्वयं का और उनके पति अथवा पत्नी जो शासकीय सेवा में नहीं है, उनका पंजीयन एवं प्रशिक्षण शुल्क राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट पर भुगतान किया जाता है। इस प्रकार राज्य आनंद संस्थान को प्रशिक्षणार्थियों से प्राप्त समस्त राशि का समेकित भुगतान आनंद शिविर आयोजित करने वाले संबंधित संस्थान को कर दिया जाता है।

उपरोक्त तीनों संस्थाओं द्वारा आयोजित किये जाने वाले शिविरों का कैलेण्डर, संस्थान की वेबसाइट www.anandsansthanmp.in पर उपलब्ध कराया जाता है। कोविड-19 संक्रमण के कारण वर्ष 2020-21 में आनंद शिविर आयोजित नहीं हो सके हैं।

2.12 आनंद रिसर्च फैलोशिप

प्रदेश के शिक्षण एवं शोध संस्थानों में आनंद के विषय पर अध्ययन, शोध/अनुसंधान करने के लिए 1.आनंद अनुसंधान प्रोजेक्ट 2.आनंद अनुसंधान फैलोशिप तथा 3.आनंद डॉक्टरल फैलोशिप कार्यक्रम आरंभ किये जा रहे हैं।

2.12.1 आनंद अनुसंधान प्रोजेक्ट- इसका उद्देश्य आनंद एवं खुशहाली के विषय पर उच्च स्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट तथा इस हेतु प्रभावी उपकरण और तकनीकों पर अनुसंधान करना है। प्रोजेक्ट की अवधि 3 वर्ष की होकर

प्रत्येक अनुसंधान प्रोजेक्ट के लिए अधिकतम रूपये 10 लाख का प्रावधान रखा गया है। एक वर्ष में अधिकतम 5 प्रोजेक्ट स्वीकृत किये जायेंगे।

2.12.2 आनंद अनुसंधान फैलोशिप– इसका उद्देश्य प्रदेश में आनंद एवं खुशहाली के विषय पर एक्शन रिसर्च एवं प्रोजेक्ट वर्क को प्रोत्साहित करना है। इसकी अवधि अधिकतम 2 वर्ष की होगी। इसके अंतर्गत चयनित व्यक्ति को अधिकतम रूपये 5 लाख की सहायता प्रदान की जायेगी। एक समय पर 5 से अधिक फैलोशिप लाईव नहीं होगी।

2.12.3 आनंद डॉक्टरल फैलोशिप– इसका उद्देश्य प्रदेश में आनंद एवं खुशहाली के विषय पर डॉक्टरल रिसर्च को प्रोत्साहित करना है। इसकी अवधि 3 वर्ष की होगी। इसके अंतर्गत चयनित व्यक्ति को प्रतिवर्ष रूपये 3 लाख तक की सहायता प्रदान की जायेगी। वर्ष में अधिकतम 5 डॉक्टरल फैलोशिप स्वीकृत किये जायेंगे।

2.13 हैप्पीनेस इंडेक्स

राज्य में नागरिकों के जीवन में आनंद के स्तर को मापने के लिए विस्तृत सर्वेक्षण करने का शासन द्वारा निर्णय लिया गया है। यह सर्वेक्षण आन्तरिक तथा बाह्य सकुशलता आंकने का कार्यक्रम होगा, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित व मान्य उत्कृष्ट विधियों के आधार पर तैयार किया जायेगा। राज्य आनंद संस्थान ने आईआईटी खड़गपुर के साथ एम.ओ.यू. किया है जिसके अंतर्गत वह आनंद के लिए पैमानों की पहचान, लोगो को आनंदित करने की विधियों व उपकरणों का विकास करेंगे। हैप्पीनेस इंडेक्स की गणना के लिए आईआईटी खड़गपुर द्वारा प्रदेश के 10 जिलों के 3-3 सर्वेयर को प्रशिक्षित कर पायलेट सर्वे कार्य किया गया है।

आई.आई.टी. खड़गपुर के साथ मिलकर संस्थान द्वारा हैप्पीनेस इंडेक्स हेतु आवश्यक प्रश्नावली तैयार कर ली गयी है तथा कोरोना संक्रमण के उपरान्त स्थिति सामान्य होने पर सर्वेक्षण का कार्य आगे बढ़ाया जावेगा।

2.14 ऑनलाईन वीडियो कोर्स

हैदराबाद स्थित इंडियन स्कूल आफ बिजनेस (आई.एस.बी.) द्वारा “A life of happiness and fulfilment” विषय पर चलाये जा रहे वीडियो कोर्स को मध्यप्रदेश में भी चलाये जाने के संबंध में आनंद संस्थान द्वारा पहल की गई है। अमेरिका की टेक्सास यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर श्री राज रघुनाथन द्वारा अंग्रेजी में विकसित किये गये इस पाठ्यक्रम में विविध क्षेत्र जैसे साइक्लोजी, न्यूरोसाइंस तथा बिहैवीरल डिसिजन थ्योरी के माध्यम से व्यवहारिक तथा जांची परखी हुई विधियों के माध्यम से जीवन में खुशहाली व आनंद को प्राप्त करने की विधि बहुत ही सरल भाषा में बताई गई है।

राज्य आनंद संस्थान द्वारा उपरोक्त वीडियो कोर्स को हिन्दी में अनुवाद करने तथा अपने नागरिकों को भी इस कोर्स का लाभ देने के लिए आईएसबी, हैदराबाद के साथ एक एमओयू निष्पादित किया गया है।

राज्य आनंद संस्थान द्वारा प्रदेश की आवश्यकता को देखते हुए इस कोर्स को हिन्दी में अनुवाद किया गया है। यह कोर्स 6 सप्ताह का है, जिसमें प्रत्येक सप्ताह हेतु कुछ वीडियो व्याख्यान तथा संबंधित अभ्यास है। संस्थान द्वारा माह मई-2020 में इस कोर्स को लॉन्च किया गया, जिस समय लोगों को इस तरह के कोर्स की अत्यन्त आवश्यकता थी। माह मई -2020 से अब तक दस हजार से अधिक प्रतिभागियों ने कोर्स हेतु पंजीयन किया है।

2.15 आनंद ग्राम एवं आनंद बस्ती

राज्य आनंद संस्थान द्वारा प्रदेश के विभिन्न भागों में ग्रामों का चयन किया जा रहा है जिसमें आनंद संस्थान की गतिविधियों को समग्र रूप से संचालित किया जाएगा। ऐसे ग्राम में विद्यालय के छात्रों के लिए आनंद सभा संचालित की जाएगी। इस ग्राम में आनंद क्लब का गठन किया जायेगा, आनंद कैलेण्डर का उपयोग, आनंद उत्सव, तथा अल्पविराम कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। ग्रामवासियों में से ही इच्छुक ग्रामवासियों को आनंदम सहयोगी के रूप में प्रशिक्षित किया जायेगा।

ग्राम में आनंद गतिविधियों के संचालन के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे तो ऐसे ग्राम को “Centre for happiness” के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि वहां से यह गतिविधियां आसपास के ग्रामों में भी आनंदकों के माध्यम से पहुंचाई जा सके।

आनंद ग्राम की ही भांति शहरी क्षेत्र में चयनित मलिन बस्ती को आनंद बस्तियों के तौर पर विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। इस बस्ती में युवकों, बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों के अलग-अलग समूह बनाकर उनके साथ राज्य आनंद संस्थान में प्रचलित आनंद के टूल का प्रयोग किया जावेगा, जिसमें अल्पविराम, आनंद सभा, आनंद क्लब जैसे कार्यक्रम शामिल होंगे।

आनंद बस्ती में आनंदम केन्द्र संचालित किया जावेगा। साथ ही बस्ती के बच्चों के साथ आनंद सभा का आयोजन होगा। इस कार्य में स्थानीय आनंदकों व स्वयं सेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जा सकता है। कोरोना संक्रमण के दौरान इस कार्यक्रम पर फील्ड में कोई कार्य नहीं हो सका है।

2.16 टाईम बैंक (समय विनिमय कोष)

भारतीय समाज के मान्यता अनुसार एक दूसरे की मदद करना तथा अपने कौशल और सामर्थ्य का उपयोग पूरे समाज के लिये करना हमेशा से एक जीवन शैली के रूप में मान्य रहा है। राज्य आनंद संस्थान द्वारा इसी परम्परा को मजबूत करने के लिये टाईम बैंक की प्रक्रिया को समर्थन दिया जा रहा है। इस प्रक्रिया में लोगों को भागीदार बनाकर उनके कौशल व समय का उपयोग दूसरों को करने के लिये प्रेरित किया जाता है, इसमें मुद्रा के स्थान पर समय का कोष तैयार करते हैं। एक समय विनिमय कोष में 20 से अधिक व्यक्ति जुड़ कर एक दूसरे से संपर्क कर इस अवधारणा को आगे बढ़ा सकते हैं। संस्थान से जुड़े आनंद क्लब व आनंदक इस कार्य में अपनी महत्वपूर्ण एवं सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। इस संबंध में सभी जिला कलेक्टर्स एवं संस्थान के जिला संपर्क व्यक्तियों को आवश्यक निर्देश जारी किये गये हैं। साथ ही संस्थान द्वारा टाइम बैंक निर्माण हेतु मार्गदर्शिका का निर्माण कर सभी जिलों को उपलब्ध कराई गई है।

2.17 अंतर्राष्ट्रीय दिवस

वैश्विक रूप से अनेक दिवसों को विशेष दिवस के रूप में मनाने के लिये संयुक्त राष्ट्र संघ तथा इससे जुड़ी संस्थाओं द्वारा चिन्हित किया गया है। राज्य आनंद संस्थान द्वारा प्रत्येक माह में आनंद से जुड़े एक दिवस को पूरे प्रदेश में अपने आनंदकों के साथ मिलकर विशेष थीम के प्रति लोगों की जागरूकता व संवेदशीलता को बढ़ाने के लिये आयोजित किया जाता है।

○ विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून-

विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता लाते हुए चेतना जागृत करना और आम जनता को प्रेरित करना है। कोविड-19 ने जहां एक ओर दुनिया भर में विकट चुनौतियां पैदा की हैं, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक सौंदर्य के अदभूत व जीवंत नजारे भी देखने को मिल रहे हैं एवं पर्यावरण ने सकारात्मक करवट ली है। किन्तु पर्यावरणीय समस्या का यह अल्पकालिक सुधार न तो स्थायी समाधान है और न ही वांछनीय परिणाम। अतः इस विषय पर जागरूकता पैदा करने के लिये इसे मनाया गया।

○ अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस 30 जुलाई-

30 जुलाई एवं कहीं कहीं अगस्त के प्रथम रविवार को अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य व्यक्तियों, देशों और संस्कृतियों के बीच मित्रता एवं शांति प्रयासों को प्रेरित करना और समुदायों के बीच पुलों का निर्माण करने के महत्व एवं आवश्यकता को समर्थन देते हुए एवं अपने स्तर पर जन जागरूकता फैलाना है।

○ आत्महत्या निषेध दिवस 10 सितम्बर-

वैश्विक रूप से भौतिकवाद एवं सुविधा संसाधनों में खुशी की खोज की प्रतिस्पर्धा ने मानव विचारों एवं व्यवहार में कई तरह के अवसादों ने घर कर लिया है, जिसकी परिणति के रूप में मानव दूसरों का या स्वयं अपना ही जीवन समाप्त करने के लिये उतारू हो जाता है। यह एक प्रकार की विकृत प्रवृत्ति है, जिसको समझने तथा लोगों के बीच सकारात्मक जीवन की लालसा को बढ़ाने के लिए सचेत यथेष्ट प्रयास सभ्य समाज की अवधारणा पर आयोजित किया गया है।

○ वृद्धजन दिवस 1 अक्टूबर-

इन कार्यक्रमों में संस्थान के आनंदकों, विभिन्न निजी प्रतिष्ठानों के लोग जन प्रतिनिधियों, शासकीय कर्मचारियों, मीडिया आदि के लोगों को आमंत्रित कर वृद्ध जन के प्रति जागरूकता के साथ-साथ उन्हें आनंद की अनुभूति कराने हेतु सभी निजी/शासकीय प्रतिष्ठानों से आव्हान करने का प्रयास किया गया है कि वे स्वैच्छा से दिनांक 01 अक्टूबर 2019 से अपने-अपने प्रतिष्ठानों में वृद्धजन (60 वर्ष एवं उससे अधिक) के लिये विशेष छूट (Special Discount) प्रदान करें। जो प्रतिष्ठान छूट देने हेतु सहमत हो उनसे संस्थान के निर्धारित प्रारूप अनुसार घोषणा पत्र में जानकारी ली गई एवं उन प्रतिष्ठानों को अपनी इस नीति को अपने प्रतिष्ठान पर प्रदर्शित करने हेतु अनुरोध भी किया।

○ **हर घर दीवाली :-**

दीवाली पर्व को भारतीय समाज में आनंद व समृद्धि का त्यौहार माना जाता है, जहाँ हर कोई अपने सामर्थ्य अनुसार घर में नई चीजे लाता है। राज्य आनंद संस्थान अपने कार्यक्रमों में “मदद” को प्रोत्साहित करता है, जिसमें हम अपनी आवश्यकता से अधिक वस्तुओं को दूसरो को उपयोग हेतु देते है। इंदौर जिले के आनंदको ने इस दिवाली मदद की अवधारणा को विस्तार दिया और शहर के संसाधन विहीन बस्तियों में रहने वाले घरों में भी दिवाली अच्छे से मने, इसके लिए उन्हें अपने घरों से अतिरिक्त सामग्री ले जाकर दी। इस धारणा को राज्य आनंद संस्थान ने प्रदेश के सभी जिलों में फैलाने का प्रयास किया, जिसके लिए "हर घर दिवाली" अभियान को आनंदक, सहयोगी, क्लब के पदाधिकारियों ने मिलकर चलाया अथवा व्यक्तिगत स्तर पर लोगों से संपर्क करते हुए अपने आस-पड़ोस में साधन विहीन घरों में दिवाली के अवसर पर कुछ न कुछ सहयोग देने का कार्यक्रम तैयार किया एवं इस अवसर पर Joy of Giving का बेहतरीन अनुभव प्राप्त किया।

○ **अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस-05 दिसम्बर :-**

अपने समय एवं कौशल के माध्यम से दुनिया को बेहतर जगह बनाने में मदद करना इस दिवस का प्रमुख उद्देश्य है। वर्तमान में दुनिया को बेहतर बनाने के लिए विश्व में पर्यावरण से लेकर हिंसा मुक्त समाज, जिसमें सभी नागरिक शांति एवं आनंद के साथ एक-दूसरे का ख्याल रखते हुए जीवन जी सकें, के प्रयास किये जा रहे है। इसी भाव को समर्पित यह मदद न केवल दूसरों के जीवन को बेहतर बनाती है, बल्कि जब हम स्वैच्छा से काम करते है तो अपने समुदाय से संबंधित अधिक समझ भी हासिल करते है।

○ **विश्व सामाजिक न्याय दिवस-20 फरवरी :-**

विश्व सामाजिक न्याय दिवस' विश्व भर में मनाये जाने वाले महत्वपूर्ण दिवसों में से एक है। इस वर्ष विश्व सामाजिक न्याय की थीम “A Call for Social Justice in the Digital Economy” है।

भारत विभिन्नताओं का देश है। अतः यहां असमानता का उन्मूलन एक बड़ी चुनौती है। किन्तु यही विभिन्नता भारत की विशिष्टता भी है। इन्ही विभिन्नताओं के बीच एक ऐसे वातावरण को निर्मित करने की आवश्यकता है जहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार प्राप्त हों।

सामाजिक न्याय तभी सुनिश्चित हो सकता है जब लोगों को लिंग, आयु, नस्ल, धर्म अथवा संस्कृति के कारण समस्याओं का सामना न करना पड़े। इस हेतु निश्चित रूप से बड़े स्तर पर राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं भौतिक प्रयास हो रहे हैं। किन्तु इस दिशा में प्रत्येक को अपने दायित्व एवं भूमिका का निर्वहन करने की भी आवश्यकता है। मध्यप्रदेश में राज्य आनन्द संस्थान, अध्यात्म विभाग, अध्यात्म और आनंद की अवधारणा पर कार्य करते हुए समाज में समानता एवं सामाजिक न्याय की स्थापना हेतु भी एक उत्प्रेरक की भूमिका का निर्वहन करने हेतु प्रतिबद्ध है।

○ **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च-**

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस विश्व भर में मनाये जाने वाले महत्वपूर्ण दिवसों में से एक है। सयुक्त राष्ट्र संघ के आव्हान पर यह दिवस प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को मनाया जाता है। इस वर्ष इस दिवस की थीम “Women’s in leadership: Achieving an equal future in a Covid-19 World” है।

यह थीम Covid-19 महामारी में महिलाओं के लिये समान भविष्य को आकार देने एवं Covid-19 महामारी से निपटने में महिलाओं एवं लडकियों द्वारा किये गये जबरदस्त प्रयासों को रेखांकित कर स्वीकार करती है। यह दिवस महिलाओं के अधिकारों और लैंगिक समानता के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाने का दिन है। यह दिन महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाता है।

लडकियों एवं महिलाओं को तथा लडकों एवं पुरुषों के बीच अभी भी अधिकारों में असमानता है। महिलाओं के विरुद्ध घरेलू हिंसा के प्रकरण अभी भी सामने आते है। बालक एवं बलिकाओं की साक्षरता दर के बीच विगत तीन दशकों में अन्तर कम हुआ है, लेकिन अभी भी यह अन्तर 20 प्रतिशत से अधिक है।

○ **अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस-20 मार्च :-**

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दृष्टिकोण में बदलाव लाना है। व्यक्ति को इस बात का आभास कराना है कि केवल आर्थिक विकास ही आवश्यक नहीं बल्कि लोगों की खुशहाली और सुख को बढ़ाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके

अतिरिक्त यह दिवस समावेशी, न्यायोचित और संतुलित आर्थिक विकास की जरूरत पर बल देता है जिसमें सतत उन्नति, गरीबी उन्मूलन और सभी की खुशहाली व सुख को सुनिश्चित किया जा सके और खुशी की तलाश को मानवीय अधिकारों और बुनियादी लक्ष्य में शामिल किया जा सके।

मध्यप्रदेश में राज्य आनंद संस्थान, अध्यात्म विभाग, एक स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के माध्यम से तनाव मुक्ति एवं आनंद के प्रसार की दिशा में प्रयासरत है।

समस्त दिवसों का आयोजन निम्नानुसार गतिविधियों द्वारा किया गया :-

- बैठक/संगोष्ठी
- कॉलेज/स्कूल के विद्यार्थियों के साथ इस विषय पर चर्चा
- जागरूकता रैली/रोड शो/ कैण्डल मार्च/नुक्कड़ नाटक
- पोस्टर/स्लोगन प्रतियोगिता
- विषय विशेषज्ञ का व्याख्यान आदि

-----00-----

अध्याय – 3
संस्थान में नियुक्तियां/भार मुक्त
(वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान)

अ. नियुक्तियां

अधिकारी का नाम	पद	पदस्थापना	शैक्षणिक योग्यता
श्री प्रवीण कुमार गंगराडे	निदेशक	मार्च-2021	● स्नातकोत्तर
श्री सत्य प्रकाश आर्य	कन्सलटेंट डॉक्युमेंटेशन	मार्च-2021	● MJMC
श्री मनु दिक्षित	कॉर्डिनेटर प्रोग्राम	मार्च-2021	● MBA
श्री कमलेश प्रसाद तिवारी	असिस्टेंट कॉर्डिनेटर प्रोग्राम	मार्च-2021	● MSW ● Phd
श्री सुधीर कुमार आर्य	असिस्टेंट कन्सलटेंट आई.टी.	मार्च-2021	● M-tech

ब. भार मुक्त

अधिकारी का नाम	पद	नियुक्ति	भार मुक्त
डॉ नुसरत मेहदी	निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)	दिसम्बर-2019	फरवरी-2021

-----00-----

अध्याय – 4
वित्तीय प्रतिवेदन 2020-21

इस वित्तीय वर्ष में संस्थान को शीर्ष 002 संधारण अनुदान में राशि रु 2.50 करोड़ एवं शीर्ष 004 पोषण अनुदान में राशि रु 50.00 लाख, इस प्रकार कुल 03.00 करोड़ का आवंटन प्राप्त हुआ है।

प्राप्त आवंटन राशि रूपये 3.00 करोड़ के विरुद्ध वित्तीय वर्ष 2020-21 में राशि रूपये 3.00 करोड़ आहरित की गई है।

-----00-----

परिशिष्ट - 1
राज्य आनंद संस्थान की सामान्य सभा

राज्य आनंद संस्थान की सामान्य सभा में निम्नानुसार सदस्य है--

1. माननीय मुख्यमंत्री- अध्यक्ष
2. विभाग के भारसाधक मंत्री- उपाध्यक्ष
3. कार्यपालन समिति के अध्यक्ष- सदस्य
4. मुख्य सचिव, मध्य प्रदेश शासन- सदस्य
5. माननीय मंत्री योजना, खेल एवं युवा कल्याण, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, संस्कृति तथा स्वास्थ्य- सदस्य
6. योजना, खेल एवं युवा कल्याण, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, संस्कृति तथा स्वास्थ्य विभागों से संबंधित प्रमुख सचिव- सदस्य
7. अध्यक्ष व माननीय मुख्यमंत्री द्वारा नामांकित इक्कीस गैर शासकीय सदस्य जिन्होंने मानवीय आनंद और सकुशलता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया हो।
8. सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी- सदस्य सचिव

आवश्यक समझे जाने पर सामान्य सभा के अध्यक्ष, विषय के जानकार व्यक्तियों, विभागों के भारसाधक मंत्रीगण तथा अधिकारियों को विशेष रूप से आमंत्रित कर सकते हैं।

राज्य आनंद संस्थान की कार्यपालन समिति

राज्य आनंद संस्थान की कार्यपालन समिति में निम्नानुसार सदस्य है--

1. अध्यक्ष- राज्य शासन द्वारा नामांकित
2. मुख्य कार्यकारी अधिकारी- सदस्य सचिव
3. अध्यक्ष द्वारा 2 वर्ष के लिये नामांकित 3 अशासकीय सदस्य
4. प्रमुख सचिव, योजना/ खेल एवं युवा कल्याण/ स्कूल शिक्षा/ उच्च शिक्षा/ तकनीकी शिक्षा/ स्वास्थ्य/ संस्कृति विभाग – सदस्य
5. संस्थान के सेटअप में वर्णित निदेशकगण- पदेन सदस्य

संस्थान का अमला

राज्य आनंद संस्थान हेतु निम्नानुसार अमला स्वीकृत है :-

क्र.	स्वीकृत पदनाम	पद संख्या	प्रशासनिक स्तर
1.	अध्यक्ष कार्यकारिणी समिति	1	अपर मुख्य सचिव
2.	मुख्य कार्यपालन अधिकारी	1	सचिव
3.	निदेशक- अनुसंधान / रा.का.अधि.	1	प्राध्यापक
4.	निदेशक- प्रशासन/रा.का.अधि.	1	उपसचिव
5.	निदेशक- कार्यक्रम/रा.का.अधि	2	उपसचिव
6.	निदेशक- हैप्पीनेस इंडेक्स/रा.का.अधि.	1	उपसचिव
7.	कार्यक्रम समन्वयक (प्रोग्राम)	2	उपसंचालक
8.	कार्यक्रम समन्वयक (हैप्पीनेस इंडेक्स)	2	उपसंचालक
9.	कंसल्टेंट (रिसर्च/डाक्युमेंटेशन)	2	उपसंचालक
10.	कार्यक्रम सहायक (प्रोग्राम)	1	सहा.ग्रेड 1
11.	कार्यक्रम सहायक (हैप्पीनेस इंडेक्स)	1	सहा.ग्रेड 1
12.	अनुसंधान सहायक	1	सहा.ग्रेड 1
13.	सहा.लेखा अधिकारी	1	सहा.ग्रेड 1
14.	सहा.ग्रेड 1	2	सहा.ग्रेड 1
15.	कंसल्टेंट (आईटी)	1	
16.	सहा. कंसल्टेंट (आईटी)	1	
17.	कार्यालय सहा. (मल्टी टास्क)	7	
	योग	28	

उक्त स्वीकृत पदों के विरुद्ध वर्तमान में 17 अधिकारी/ कर्मचारी कार्यरत है। शेष रिक्त पदों की पूर्ति की प्रक्रिया जारी

है।